

भौतिक डाई

(Compound die)

जिन डाई में दो या

तीन कर्तन संक्रियाएं
के एक ही स्टेशन पर एक के प्रत्येक आघात
के सम्पन्न की जा सकें ऐसी डाई को भौतिक डाई
कहते हैं। जिनका उपयोग वाशर करने के लिए किया
जाता है। रैम के प्रत्येक आघात वाशर करने में
डाई में एक ब्लैक डाई तथा एक तीखी मैदग
पंच रैम के साथ गैल्टी द्वारा कसा जाता है।
ब्लैक डाई के अन्दर दो ब्लैडों पर तथा नीचली
डाई को दोनो स्तरों पर कसा रहती है। ब्लैक
संक्रिया के लिए एक पंच भी भात कार्य करती है।
जब रैम नीचे की ओर आता है तो नीचली
डाई की बाह्य कर्तन कोरे बद्धारा सर्वप्रथम धातु
का ब्लैक सम्पन्न होता है। संक्रिया के अन्दर
में उपरी ब्लैक डाई के अन्दर लगी हुई
स्प्रिंग भारित विंगलक प्लेट द्वारा वाशर को बाहर
की तरफ निकाल लिया जाता है। धातु चादर को
उपर खींचकर फिर रैम के अगले आघात में
दुसरा वाशर करने के लिए उसे निचले डाई ब्लॉक
के ऊपर रखा जाता है तथा उपरोक्त क्रिया पुनः
दोहराई जाती है। इस प्रकार के प्रत्येक आघात में
एक नया वाशर बनकर तैयार हो जाता है।